

सत्य के अनेक पहलू

प्रलिम्स के लिये:

[महात्मा गांधी, अहसा, सत्याग्रह](#)

मेन्स के लिये:

सत्य की दुवधिएँ और जटलिता, ऐतहासिक आख्यानों में नैतिक दुवधिएँ, नैतिक आचरण और लोकतांत्रिक लोकाचार, महात्मा गांधी की शकिषाओं की प्रासंगकिता और महत्त्व

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

सहस्राब्दियों से दार्शनिक सत्य की प्रकृति, जानने की योग्यता तथा क्या वह सार्वभौमिक है या व्यक्तिपरक है, जैसे प्रश्नों से जूझते रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप इस अवधारणा पर विभिन्न दृष्टिकोण सामने आए हैं।

सत्य के संबंध में विभिन्न विचारकों के दृष्टिकोण क्या हैं?

■ पत्राचार सिद्धांत:

- **अरस्तू** और **बर्ट्रेंड रसेल** जैसे विचारकों का मानना है कि सत्य का निर्धारण हमारे कथनों या विचारों तथा बाह्य विश्व के मध्य स्थापित सामंजस्य से होता है अर्थात् एक कथन सत्य है यदि वह वास्तविकता को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करता है।
- उदाहरण के लिये "घास हरी है" सत्य है क्योंकि वास्तविक संसार में घास में हरेपन का गुण होता है।
- यह सिद्धांत उन अमूर्त सत्यों (जैसे, गणितीय प्रमेय) पर विचार नहीं करता जो प्रत्यक्ष रूप से भौतिक वास्तविकता से समानता नहीं रखते हैं।

■ सुसंगत सिद्धांत:

- **इमैन्युअल कांट** और **फ्रेडरिक हेगेल** जैसे विचारकों का मानना है कि सत्य का निर्धारण विचारों की आंतरिक संगति से होता है, जहाँ एक कथन तभी सत्य होता है जब वह ज्ञान के स्थापित ढाँचे के साथ सुसंगत हो।
- उदाहरण के लिये वैज्ञानिक सिद्धांतों को सत्य माना जाता है, यदि वे आंतरिक रूप से सुसंगत हों और व्यापक प्रकार की घटनाओं की व्याख्या करते हों।
- यह सिद्धांत संकीर्ण विचार प्रणालियों (Closed Belief Systems) को जन्म दे सकता है जो मौजूदा ढाँचे के विपरीत नए साक्ष्य का विरोध करते हैं।

■ व्यावहारिक सिद्धांत:

- **विलियम जेम्स** और **जॉन डेवी** जैसे विचारकों का तर्क है कि किसी कथन की सत्यता उसकी व्यावहारिक उपयोगिता एवं सफल परिणाम देने की उसकी क्षमता द्वारा निर्धारित होती है।
- उदाहरण: **गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत** सत्य माना जाता है क्योंकि यह हमें वस्तुओं की गति का पूर्वानुमान लगाने और स्थिर संरचनाएँ बनाने की अनुमति देता है।
- यह सिद्धांत सत्य को संदर्भ के सापेक्ष बनाता है तथा मानवीय उपयोगिता से स्वतंत्र वस्तुनिष्ठ तथ्यों को ध्यान में नहीं रखता।

■ महात्मा गांधी की सत्य की खोज:

○ ईश्वरीय सत्य और अहसा:

- गांधीजी का सत्य केवल तथ्यात्मक सटीकता नहीं था। उन्होंने इसे परम सत्य, ईश्वर के बराबर बताया।
- सत्य स्वाभाविक रूप से स्पष्ट है, लेकिन यह तभी स्पष्ट होता है जब इसके आस-पास का अज्ञान दूर हो जाता है। इस परम सत्य को अहसा के माध्यम से समझा जा सकता है।
- उनका सत्य केवल एक अवधारणा नहीं है, बल्कि ईश्वर के समतुल्य एक शाश्वत सिद्धांत है, जो सत्य की खोज और अहसा के अभ्यास को अवभाज्य बनाता है।
- सत्य की अंतहीन खोज में आत्मनिरीक्षण, निरंतर प्रश्न पूछना और गलतियों को स्वीकार करने की तत्परता शामिल थी,

जसिमें सत्य को एक नरिधारति समापन बदि के बजाय आत्म-खोज की एक सतत् यात्रा के रूप में देखना आवश्यक है ।

- सत्य का करयिान्वयन:
 - सत्य के प्रति गांधी की प्रतिबिद्धता उनके वरिोध के तरीकों तक फैली हुई थी । उन्होंने [सत्याग्रह](#) की रचना की, **जसिका अर्थ है "सत्य बल ।"**
 - सत्याग्रहियों अर्थात् गांधीजी के अनुयायियों का उद्देश्य **सवनीय अवज्जा** और अटल सत्यनषिठा के माध्यम से उत्पीड़कों की अंतरात्मा को जागृत करना था ।

सत्य की दुवधिएँ और जटलिताएँ क्या हैं?

■ सत्य की जटलिता:

- भारत के राष्ट्रीय प्रतीक चहिन, [अशोक स्तंभ](#) पर स्थति तीन सहि, सत्य के तीन दृषटकिणों के प्रतीक हैं: मेरा सत्य, आपका सत्य, और एक पर्यवेक्षक का सत्य ।
- सत्य का चौथा, अपरमिय आयाम अक्सर इस कहावत की ओर ले जाता है, "केवल ईश्वर ही सत्य जानता है ।"
- उदाहरण के लयि, चुनाव के दौरान [भारत नरिवाचन आयोग](#) का कार्य चुनौतीपूर्ण हो जाता है ।
 - चुनौती यह है क [राजनीतिक दल](#) अक्सर चालाकी से जातगित या सांप्रदायिकि भाषा का प्रयोग करते हैं, जसिसे [नरिवाचन आयोग](#) के लयि कार्रवाई करना कठनि हो जाता है ।
 - [आदर्श आचार संहति \(Model Code of Conduct- MCC\)](#), हालाँकि इन आधारों पर स्पष्ट अपील पर प्रतिबिध लगाती है, लेकनि इसमें मौजूद दोषों के कारण राजनीतिकि दल **अप्रत्यक्ष** रूप से वभिजनकारी बयानबाज़ी कर सकते हैं ।

■ सत्य और असत्य की दुवधिया:

- [महाभारत](#) में **युधिष्ठिरि के अर्धसत्य** जैसे ऐतहिसिकि और पौराणिकि आख्यान, सत्य के साथ छेड़छाड़ कयि जाने पर सामने आने वाली नैतिकि दुवधियाओं को दर्शाते हैं ।
- युधिष्ठिरि द्वारा **अश्वत्थामा की मृत्यु** की घोषणा के कारण **गलत व्याख्या** हुई, जसिके कारण **द्रोणाचार्य की मृत्यु** हो गई ।
- यह कहानी उन नैतिकि जटलिताओं को रेखांकति करती है जो तब उत्पन्न होती हैं जब

दृष्टि
The Vision

